पाठ्यपुस्तक के प्रश्न-अभ्यास

01

कविता से

प्रश्न 1.

कविता पढ़कर तुम्हारे मन में चिड़िया का जो चित्र उभरता है उस चित्र को कागज़ पर बनाओ।

उत्तर-

कविता पढ़कर हमारे मन में निम्नलिखित चित्र उभरते हैं-

- वह नीले पंखोंवाली सुंदर चिड़िया है।
- चिड़िया मधुर स्वर में जंगल में गाती है।
- वह बहती नदी का पानी पीती है।
- चिड़िया का आकार छोटा है।
- उसे आज़ादी बहुत पसंद है।

प्रश्न 2.

तुम्हें कविता का कोई और शीर्षक देना हो तो क्या शीर्षक देना चाहोगे? उपयुक्त शीर्षक सोचकर लिखो।

उत्तर-

'नन्ही चिड़िया', 'सुंदर चिड़िया' या 'परिश्रमी चिड़िया'

प्रश्न 3.

इस कविता के आधार पर बताओ कि चिड़िया को किन-किन चीज़ों से प्यार है?

उत्तर-

इस कविता के आधार पर ज्ञात होता है कि चिड़िया को दूध भरे अनाज के दानों, नदी तथा जंगल से प्यार है। चिड़िया जुडी के दाने एवं अन्य अनाज के दानों को खाना पसंद करती है। इस चिड़िया को गीत गाना पसंद है। जंगल से इसे बहुत प्यार है। यह नदी से भी बहुत प्यार करती है।

प्रश्न 4.

आशय स्पष्ट करो

(क) रस उँडेलकर गा लेती है।

(ख) चढ़ी नदी का दिल टटोलकर जल का मोती ले जाती है।

उत्तर-

(क) चिड़िया जंगल में जब अकेली होती है, तब वह बिना किसी डर और संकोच के उन्मुक्त भाव से गाती है। वह मधुर स्वर में गाती है। उसके स्वर की मधुरता वातावरण में रस घोल देती है।

(ख) छोटी चिड़िया चढ़ी हुई नदी से बिलकुल भी नहीं घबराती है। वह उफनती नदी के बीच से अपनी चोंच में पानी की बूंद लेकर उड़ जाती है। यानी लबालब भरी नदी की जलराशि का अनुमान लगाकर उस जलराशि में से जल का मोती निकाल लाती है अर्थात उसी पानी से चिड़िया अपनी प्यास बुझाती है, इसीलिए पानी मोती की तरह अमूल्य है।

अनुमान और कल्पना

प्रश्न 1.

कवि ने नीली चिड़िया का नाम नहीं बताया है। वह कौन सी चिड़िया रही होगी? इस प्रश्न का उत्तर जानने के लिए पक्षी-विज्ञानी सालिम अली की पुस्तक 'भारतीय पक्षी' देखो। इनमें ऐसे पक्षी भी शामिल हैं जो जाड़े में एशिया के उत्तरी भाग और अन्य ठंडे देशों से भारत आते हैं। उनकी पुस्तक को देखकर तुम अनुमान लगा सकते हो कि इस कविता में वर्णित नीली चिड़िया शायद इनमें से कोई एक रही होगी-

नीलकंठ

छोटा किलकिला

कबूतर

बड़ा पतरिंगा

नीचे कुछ पक्षियों के नाम दिए गए हैं। उनमें यदि कोई पक्षी एक से अधिक रंग का है तो लिखो, कि उसके किस हिस्से का रंग कैसा है। जैसे तोते की चोंच लाल है, शरीर हरा है।

1. मैना
2. कौआ
3. बैतखे
4. कबूतर

उत्तर-

1. **मैना-** मैना के पंख भूरे व सफ़ेद रंग के होते हैं। उनकी टाँगें हलकी लाल होती हैं।
2. **कौआ-** कौआ का पूरा शरीर काला होता है।
3. **बतख-** बतख सफ़ेद रंग का होता है। इसके पैर हल्के गुलाबी रंग के होते हैं।
4. **कबूतर-** कबूतर का रंग स्लेटी सफ़ेद होता है। गरदन कुछ-कुछ नीले रंग की होती है। इसकी टाँगे लाल होती हैं।

प्रश्न 3.

कविता का हर बंध 'वह चिड़िया जो-' से शुरू होता है और मुझे बहुत प्यार है' पर खत्म होता है। तुम भी इन। पंक्तियों का प्रयोग करते हुए अपनी कल्पना से कविता में कुछ नए बंध जोड़ो।

उत्तर-

वह चिड़िया जो
चींची करके
सबका मन बहलाती है।
नील गगन की सीमा पाने
पंख पसारे उड़ जाती है।

अपना घर बनाने के लिए।
घास के तिनके लाती है।
वह परिश्रमी चिड़िया सबको
परिश्रम का पाठ सिखाती है।

प्रश्न 4.

तुम भी ऐसी कल्पना कर सकते हो कि 'वह फूल का पौधा जो-पीली पंखुड़ियों वाला-महक रहा है, मैं हूँ। उसकी विशेषताएँ मुझ में हैं ...। फूल के बदले वह कोई दूसरी चीज़ भी हो सकती है जिसकी विशेषताओं को गिनाते हुए तुम उसी चीज़ से अपनी समानता बता सकते हो ... ऐसी कल्पना के आधार पर कुछ पंक्तियाँ लिखो।

उत्तर-

वह फूल का पौधा जो–
हवा में झूलता
आँगन में खड़ा मुस्करा रहा है
खुशबू अपनी फैला रहा है
पीली पंखुड़ियों वाला पौधा मैं हूँ
मुझे हवा से बहुत प्यार है।

वह फूल का पौधा जो–
खिलता-मुरझाता
पर खुशबू से नाता सदा निभाता है
मुरझाने पर भी सुगंध ही देता
पीली पंखुड़ियों वाला वह पौधा मैं हूँ
मुझे महक से बहुत प्यार है।

भाषा की बात

1. <u>पंखोंवाली</u> चिड़िया — <u>ऊपरवाली</u> दराज़
   <u>नीले पंखोंवाली</u> चिड़िया — <u>सबसे ऊपरवाली</u> दराज़

- यहाँ रेखांकित शब्द विशेषण का काम कर रहे हैं। ये शब्द चिड़िया और दराज़ संज्ञाओं की विशेषता बता रहे हैं, अत: रेखांकित शब्द विशेषण हैं और चिड़िया, दराज़ विशेष्य हैं। यहाँ 'वाला/वाली' जोड़कर बनने वाले कुछ और विशेषण दिए गए हैं। ऊपर दिए गए उदाहरणों की तरह इनके आगे एक-एक विशेषण और जोड़ो–

.....	मोरोंवाला बाग
.....	पेड़ोंवाला घर
.....	फूलोंवाली क्यारी
.....	स्कूलवाला रास्ता
.....	हँसनेवाला बच्चा
.....	मूँछोंवाला आदमी

2. वह चिड़िया.....जुंडी के दाने **रुचि से**.....खा लेती है।
   वह चिड़िया.....**रस उँडेलकर** गा लेती है।

- कविता की इन पंक्तियों में मोटे छापे वाले शब्दों को ध्यान से पढ़ो। पहले वाक्य में 'रुचि से' खाने के ढंग की और दूसरे वाक्य में 'रस उँडेलकर' गाने के ढंग की विशेषता बता रहे हैं। अत: ये दोनों क्रियाविशेषण हैं। नीचे दिए वाक्यों में कार्य के ढंग या रीति से संबंधित क्रियाविशेषण छाँटो–

(क) सोनाली जल्दी-जल्दी मुँह में लड्डू ठूँसने लगी।
(ख) गेंद लुढ़कती हुई झाड़ियों में चली गई।
(ग) भूकंप के बाद जनजीवन धीरे-धीरे सामान्य होने लगा।
(घ) कोई सफ़ेद-सी चीज़ धप्प-से आँगन में गिरी।
(ङ) टॉमी फुर्ती से चोर पर झपटा।
(च) तेजिंदर सहमकर कोने में बैठ गया।
(छ) आज अचानक ठंड बढ़ गई है।

© NCERT not to be republished

01.उत्तर

मनोहर मोरों वाला बाग

हरे-भरे पेडों वाला घर

गुलाबी फूलों वाली क्यारी

सफ़ेद खादी वाला कुर्ता

बिलख-बिलखकर रोने वाला बच्चा

बड़ी मूँछों वाला आदमी

02.उत्तर

(क) सोनाली जल्दी-जल्दी मुँह में लड्डू ठूँसने लगी ।

(ख)गेंद लुढ़कती हुई झाड़ियों में चली गई ।

(ग)भूकंप के बाद जनजीवन धीरे- धीरे सामान्य होने लगा ।

(घ)कोई सफ़ेद-सी चीज धप्प से आँगन में गिरी ।

(ड)टॉमी फ़ुर्ती से चोर पर झपटा ।

(च)तेजिंदर सहमकर कोने में बैठ गया ।

(छ)आज अचानक ठंड बढ़ गई है ।